पोस्टप्लैसेंटल आईयूसीडी लगाने की तकनीक

प्रक्रिया के दौरान महिला से बातचीत करते रहें

1. सुनिश्चित करें कि महिला ने सहमति दे दी है।

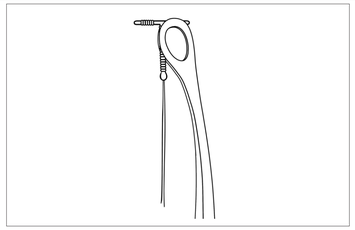

9. जीवाणुरहित पैकट में ही पीपीआईयूसीडी इन्सर्शन फॉर्सेप्स से आईयूसीडी पकड़ें।

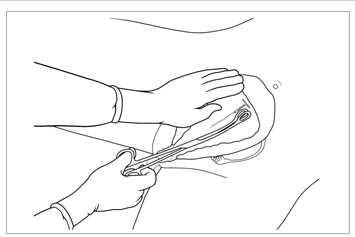

13. फॉर्सेप्स खोलकर तिरछा करें और फंडस पर आईयूडी छोड़ दें।

महिला को आराम करने दें।
रिकार्ड पूरा करें।

विनम्र तकनीक इस्तेमाल करें

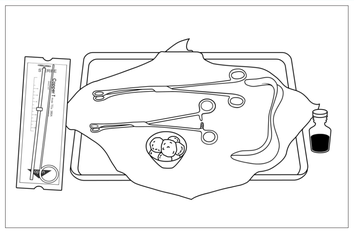

2. सुनिश्चित करें कि सामग्री एवं औज़ार तैयार हैं।

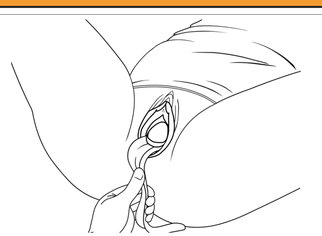

6. सिम्स स्पैक्यूलम की मदद से सर्विक्स को देखें।

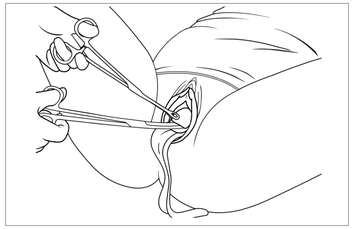

10. आईयूसीडी समेत फॉर्सेप्स सर्विक्स के रास्ते बच्चेदानी के अन्दर ले जाएँ। योनि को न छुएँ।

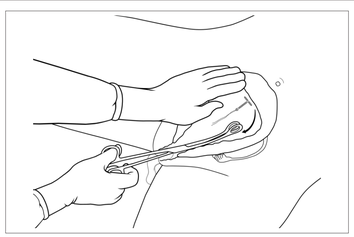

14. फॉर्सेप्स को बच्चेदानी की किनारे की दीवार की ओर ले जाएँ और बच्चेदानी को स्थिर रखें।

औज़ारों को तैयार करने के लिए
संक्रमण से बचाव के चरणों को करें।

संक्रमण से बचाव के व्यवहारों का पालन करें

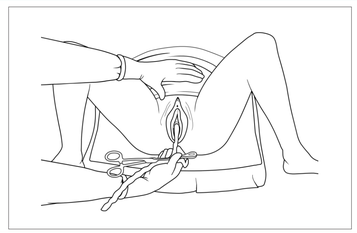

3. प्रसव की तीसरी अवस्था का सक्रिय प्रबंधन (एएमटीएसएल) पूरा करें।

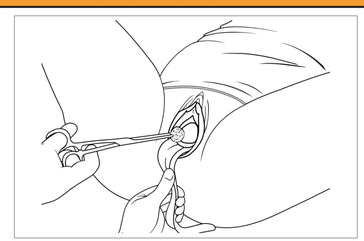

7. सर्विक्स और योनि को दो बार बीटाडीन घोल से साफ करें।

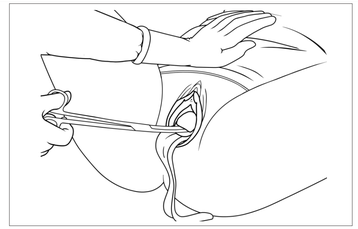

11. हाथ को पेट पर रख कर बच्चेदानी को ऊपर की ओर धकेलें।

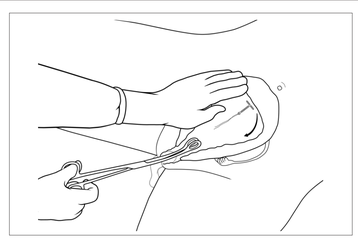

15. धीरे-धीरे खुली हुई फॉर्सेप्स को बाहर निकाल लें।

सुनिश्चित करें कि महिला को पूरी प्रसव-पश्चात् देखभाल मिले।
पीपीआईयूसीडी लगाने के बाद के निर्देश दें।

4. महिला से पूछें कि क्या वह अभी भी आईयूसीडी लगवाना चाहती है।

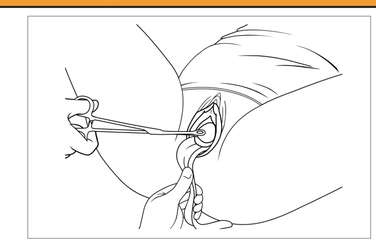

8. फॉर्सेप्स से सर्विक्स का एन्टीरियर लिप पकड़ें।

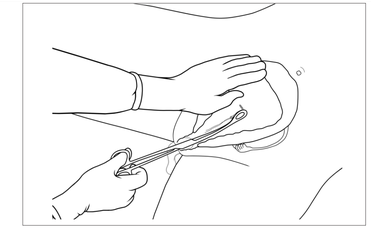

12. आईयूसीडी समेत फॉर्सेप्स को ऊपर की ओर ले जाएँ जब तक वह फंडस पर महसूस न हो। बच्चेदानी की कैविटी के आकार के अनुसार ऊपर तक ले जायें

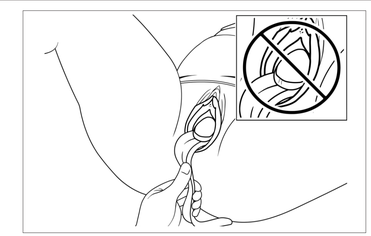

16. फॉर्सेप्स के पूरी तरह निकलने तक बच्चेदानी को स्थिर रखें।

सत्यमेव जयते

GOVERNMENT OF UTTAR PRADESH

सिफ्सा SIFPSA

NATIONAL RURAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन

innovating to save lives
Jhpiego
an affiliate of Johns Hopkins University